# श्री विष्णु स्तुतिः (नरसिंहपुराणे)

श्री विष्णु स्तुतिः (नरसिंहपुराणे)

ब्रह्मोवाच |
नमः क्षीराब्धिवासाय नागपर्यंकशायिने |
नमः श्रीकरसंस्पृष्टदिव्यपादाय विष्णवे || 1 ||

नमस्ते योगनिद्राय योगांतर्भावित‍ाय च |
ताक्ष्यासनाय देवाय गोविंदाय नमो नमः || 2 ||

नमः क्षीराब्धिकल्लोलस्पृष्टमात्राय शार्ङ्गिणे |
नमोऽरविंदपादाय पद्मनाभाय विष्णवे || 3 ||

भक्तार्चितसुपादाय नमो योगप्रियाय वै |
शुभांगाय सुनेत्राय माधवाय नमो नमः || 4 ||

सुकेशाय सुनेत्राय सुललाटाय चक्रिणे |
सुवक्त्राय सुकर्णाय श्रीधराय नमो नमः || 5 ||

सुवक्षसे सुनाभाय पद्मनाभाय वै नमः |
सुभ्रुवे चारुदेहाय चारुदंताय शार्ङ्गिणे || 6 ||

चारुजंघाय दिव्याय केशवाय नमो नमः |
सुनखाय सुशांताय सुविद्याय गदाभृते || 7 ||

धर्मप्रियाय देवाय वामनाय नमो नमः |
असुरघ्नाय चोग्राय रक्षोघ्नाय नमो नमः || 8 ||

देवानामार्तिनाशाय भीमकर्मकृते नमः |
नमस्ते लोकनाथाय रावणांतकृते नमः || 9 ||

इति श्रीनरसिंहपुराणे सप्तचत्वारिंशोऽध्याये ब्रह्म कृत श्री विष्णु स्तुतिः ||